केरल की सैर

(पत्र)

4

एच 50, सेक्टर-32
रोहिणी, दिल्ली
दिनांक : 15-08-20......
प्रिय चंचल
ढेर सारा प्यार!

तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुमने नृत्य प्रतियोगिता जीती है। हम सबकी ओर से तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। ओणम का त्योहार मनाने के लिए मैं अपने परिवार के साथ अपनी दादी के यहाँ गई थी। केरल के प्राकृतिक *सौंदर्य* के कुछ फोटो मैं ई-मेल के द्वारा भेज रही हूँ लेकिन मैं तुम्हें वहाँ के बारे में भी बताना चाहूँगी।

जब मैं केरल पहुँची तो सभी लोग ओणम की तैयारियों में व्यस्त थे। नन्हे-नन्हे बच्चे भी फूलों से अपने घर को सजा रहे थे। दादाजी ने बताया कि ओणम यहाँ का *प्रमुख* त्योहार है। महाबली नामक एक

राजा केरल में राज्य करता था। उसी के सम्मान में ओणम मनाया जाता है।

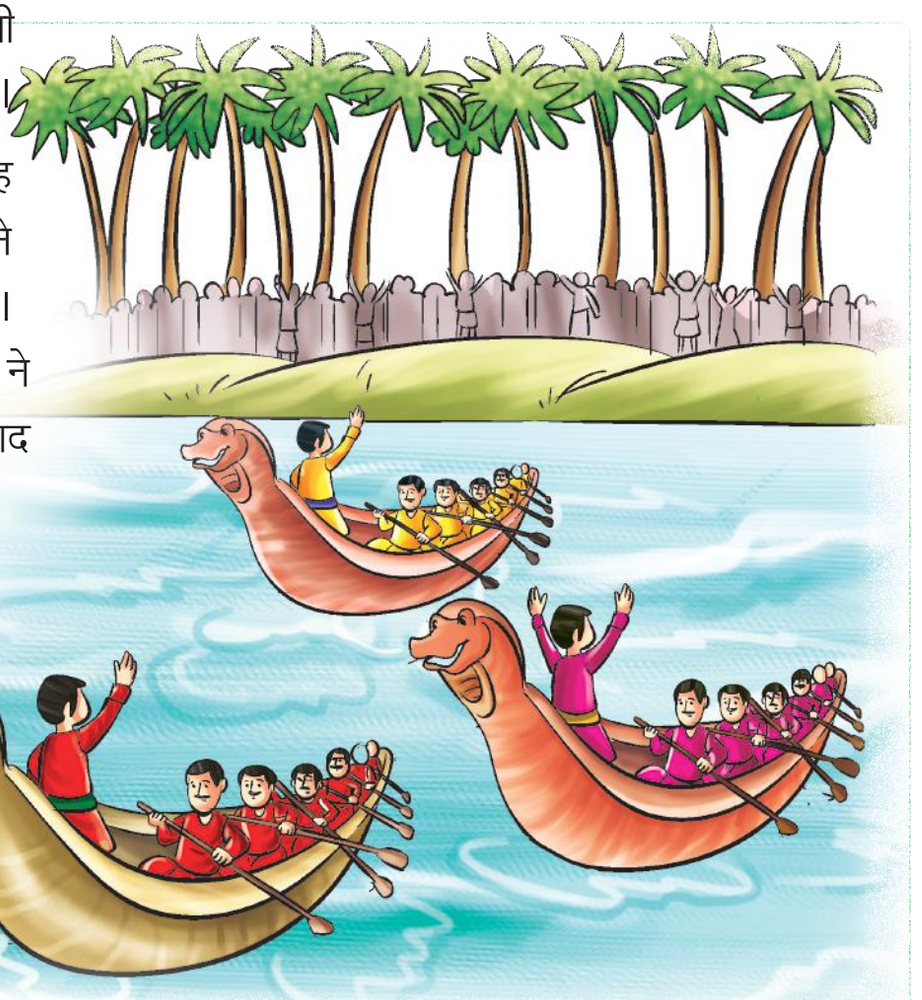

'ओणम' के दिन सभी लोग सुबह जल्दी उठ गए। मैंने और समीर ने फूलों से अपने घर की सजावट की। माँ ने रंगोली बनाई। फिर दादाजी ने सबको नए *वस्त्र* दिए। उसके बाद सबने भगवान विष्णु और महाबली की पूजा-अर्चना की। दादीजी ने चावल के अनेक *स्वादिष्ट* पकवान बनाए थे। उन्होंने नारियल के दूध की स्वादिष्ट गुड़वाली खीर भी बनाई। इस *उपलक्ष्य* में विशेष *प्रीतिभोज* भी आयोजित किया गया था। *स्वादिष्ट* व्यंजन खाकर तो मजा आ गया।

'ओणम' के *अवसर* पर केरल में नौका दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसे देखने के लिए दूर देशों के *पर्यटक* भी आते हैं। क्योंकि नौका-दौड़ ओणम के त्योहार का प्रमुख आकर्षण है।

हम भी शाम के समय नौका-दौड़ देखने गए। ये नौकाएँ *सर्पाकार* पतली थीं। प्रत्येक नौका में तीस चालीस लोग बैठे थे जो तेजी से चप्पू चलाकर आगे निकलने की होड़ में थे। जब भी कोई नौका आगे निकलती तो दर्शकों में *उल्लास* और रोमांच भर जाता। सचमुच नौका-दौड़ प्रतियोगिता को देखने में बहुत *आनंद* आया।

रात के समय हम कथकली नृत्य भी देखने गए। यह नृत्य कलाकार रंगीन वेशभूषा पहनकर हाथ की *मुद्राओं* एवं नृत्य-नाट्यों द्वारा प्रस्तुत कर रहे थे। जानती हो, इस नृत्य की सबसे बड़ी *विशेषता* क्या थी! इस नृत्य में कलाकार स्वयं न तो संवाद बोल रहा था और न गीत गा रहा था। हमने इस नृत्य की कई तस्वीरें भी खींची। मिलने पर ये तस्वीरें मैं तुम्हें दिखाऊँगी।

लौटते समय दादाजी ने एक बात और बताई कि यह त्योहार श्रावण मास की शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस त्योहार को 'तिरु-ओणम' भी कहते हैं। इस *महीने* में केरल का मौसम बहुत ही सुहावना होता है। फसल पकने की खुशी में लोगों के मन में एक नई *उमंग*, नई आशा और नया *विश्वास* होता है। इसी खुशी में लोग श्रावण देवता और फूलों की देवी का पूजन करते हैं। बाकी बातें मैं तुम्हें मिलने पर बताऊँगी। चाचीजी और चाचाजी को मेरा प्रणाम कहना। आयूष को ढेर सारा प्यार देना।

तुम्हारी सखी

मानसी

शब्द-अर्थ

सौंदर्य — खूबसूरती *(beauty)*,
वस्त्र — कपड़े *(clothes)*,
उपलक्ष्य — किसी उद्देश्य के लिए *(in memory of)*,
अवसर — मौका *(opportunity)*,
सर्पाकार — साँप के आकार की *(spiral)*,
आनंद — मजा *(joy)*,
विशेषता — खासियत *(speciality)*,
उमंग — उत्साह *(excitement)*,
प्रमुख — मुख्य *(chief)*,
स्वादिष्ट — मजेदार *(tasty)*,
प्रीतिभोज — दावत *(feast)*,
पर्यटक — देश-विदेश में घूमने वाला *(tourist)*,
उल्लास — जोश *(glee)*,
मुद्राओं — भाव-भंगिमा *(hand expressions)*,
महीना — मास *(month)*,
विश्वास — भरोसा *(belief)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

नृत्य	प्रतियोगिता	सौंदर्य	प्राकृतिक	व्यस्त	सम्मान
रंगोली	वस्त्र	विष्णु	अर्चना	स्वादिष्ट	प्रतियोगिता
पर्यटक	उल्लास	मुद्राओं	त्रयोदशी	श्रावण	सर्पाकार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मानसी कहाँ और क्यों गई थी?

(ख) बच्चे अपने घर को किससे सजा रहे थे?

(ग) ओणम के त्योहार को और क्या कहते हैं?

(घ) नौकाएँ देखने में कैसी थीं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) केरल में कौन-सा राजा राज्य करता था?

☐ महाबली ☐ अशोक ☐ विष्णु

(ख) प्रत्येक नौका में कितने लोग बैठे थे?

☐ बीस-तीस ☐ दस-बारह ☐ तीस-चालीस

(ग) ओणम का त्योहार कौन-से मास में मनाया जाता है?

☐ पूस ☐ श्रावण ☐ कार्तिक

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

कथकली, सौंदर्य, तिरु-ओणम, त्रयोदशी, प्रतियोगिताएँ

(क) केरल प्राकृतिक ..... के रूप में बहुत प्रसिद्ध है।

(ख) इस दिन अनेकों दौड़ ..... आयोजित की जाती हैं।

(ग) ओणम त्योहार श्रावण मास की शुक्ल ..... को मनाया जाता है।

(घ) ..... नृत्य में कलाकार स्वयं न तो संवाद बोलता है और न ही गीत गाता है।

(ङ) ओणम को ..... भी कहते हैं।

3. वाक्यांशो को उनके एक शब्द से मिलाइए–

(क) प्रकृति से संबंधित	*(i)* प्रतियोगिता
(ख) देखने वाला	*(ii)* स्वादिष्ट
(ग) जिसका स्वाद अच्छा हो	*(iii)* प्राकृतिक
(घ) एक-दूसरे से आगे निकलना	*(iv)* कलाकार
(ङ) देश-विदेश में घूमने वाला	*(v)* दर्शक
(च) कला दिखानेवाला	*(vi)* पर्यटक

4. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) ओणम केरल का प्रसिद्ध त्योहार है। ☐

(ख) दौड़ लगाना ओणम का प्रमुख आकर्षण है। ☐

(ग) ओणम श्रावण मास की शुक्ल एकादशी को मनाया जाता है। ☐

(घ) भरतनाट्यम केरल का प्रसिद्ध नृत्य है।

(ङ) केरल का मौसम बहुत गरम होता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) ओणम का त्योहार क्यों मनाया जाता है?

(ख) ओणम के दिन दादी ने क्या-क्या बनाया?

(ग) ओणम के त्योहार का प्रमुख आकर्षण क्या है?

(घ) कथकली नृत्य की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?

(ङ) केरल के मौसम के बारे में कुछ बताइए।

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दिए गए विशेष्य शब्दों के लिए विशेषण शब्द लिखिए–

(क)	वस्त्र	(ख)	उमंग
(ग)	सौंदर्य	(घ)	मौसम
(ङ)	पकवान	(च)	वेशभूषा

2. दिए गए शब्दों को शब्दकोश के क्रम से लिखिए–

उदाहरण देखिए–

रंगोली	फूलों	ओणम	नौका
ओणम	नौका	फलों	रंगोली

अब इन शब्दों को शब्दकोश के क्रम से लगाइए–

पर्यटक, रंगीन, केरल, उमंग, विश्वास, आकर्षण, बधाई, उपलक्ष्य

....

....

3. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखिए–

(क) फूल -		(ख) आशा -	
(ग) वस्त्र -		(घ) उल्लास -	
(ङ) सम्मान -		(च) तस्वीर -	
(छ) त्योहार -		(ज) विश्वास -	

4. नीचे दिए गए शब्द-जाल में से दस त्योहारों के नाम ढूँढकर लिखिए–

क्रि	गु	रू	प	र्व	र
स	लो	ह	ड़ी	ध	क्षा
म	पों	ग	ल	दी	बं
स	बै	सा	खी	पा	ध
ई	ओ	ण	म	व	न
द	श	ह	रा	ली	छ

(क) ..... (ख) ..... (ग) ..... (घ) .....

(ङ) ..... (च) ..... (छ) ..... (ज) .....

(झ) ..... (ञ) .....

5. प्रसन्न शब्द में ता प्रत्यय लगने से प्रसन्नता शब्द बना है तथा सज शब्द में आवट लगने से सजावट शब्द बना है।

- नीचे दिए गए शब्दों में 'ता' तथा 'आवट' प्रत्यय लगाकर लिखिए–

व्यस्त + ता = व्यस्तता

विशेष + ता = ...

महान + ता = ...

दिख + आवट = दिखावट

मिल + आवट = ...

लिख + आवट = ...

क्रियात्मक गतिविधि

- जो त्योहार आपको अच्छा लगता है, उसका चित्र बनाइए और उस पर एक अनुच्छेद लिखिए।
- विभिन्न त्योहारों के चित्र इकट्ठे करके एक कोलाज तैयार कीजिए।
- नीचे हमारे देश के कुछ प्रसिद्ध नृत्यों के नाम दिए गए हैं। प्रत्येक के बारे में कुछ वाक्यों में लिखिए।

कुचिपुड़ी, कत्थक, भाँगड़ा, भरतनाट्यम, गरबा, ओडिसी, मणिपुरी, कथकली